(ग) गुजरात में पिछले तीन वर्षों के दौरान की गई पैक्ड एल०पी०जी० की आपूर्ति निम्नानुसार है :—

वर्ष	आंकड़े एम०टी० में
1989–90	168809
1990–91	175985
1991–92	205517

सरकार के विचाराधीन गुजरात की परियोजनाएं/योजनाएं

3725. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात की कितनी तेल परियोजनाएं/योजनाएं सरकार के विचाराधीन हैं ;

(ख) इन्हें स्वीकृति प्रदान करने में होने वाले विलम्बों के कारण क्या हैं; और

(ग) इन्हें कब तक स्वीकृति प्रदान किए जाने की संभावना है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (ग) गुजरात राज्य के संबंध में इंडियन आयल कारपोरेशन के दो परियोजना प्रस्ताव हैं, यथा—

(1) कांडला में एल० पी० जी० सुविधाओं की स्थापना, और

(2) कोयाली रिफाइनरी की क्षमता को बढ़ाकर 3 एम० एम० टी० पी० ए० करना ।

ये प्रस्ताव पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संसाधन के विभिन्न चरणों में हैं ।

पैट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन और खपत

3726. **श्री शिवचरण माथुर :** क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में पैट्रोलियम पदार्थों का कितना उत्पादन हुआ और पिछले तीन वर्षों के दौरान उनकी कितनी खपत हुई ;

(ख) इन पदार्थों की खपत का राज्य-वार ब्यौरा क्या है तथा इनकी खपत में वर्ष-वार कितनी-कितनी वृद्धि हुई ;

(ग) राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में इनके बिक्री मूल्यों में भारी अंतर के कारण क्या हैं; और

(घ) क्या सरकार देश भर में इन उत्पादों की बिक्री समान दर पर करने की व्यवस्था करने का विचार रखती है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान पैट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन एवं खपत निम्नवत् है:—

(संख्याएं हजार मी० टनों में)

	उत्पादन	(एल पी एल) को अलग करके खपत
1989–90	49459	54095
1990–91	49491	55035
1991–92	49584	56830

(ख) सूचना संलग्न विवरण में दी गई है । (नीचे देखिए ।)

(ग) और (घ) : पैट्रोलियम उत्पादों की भंडारों पर कीमतें पूरे देश में समरूप हैं । तथापि, स्थानीय करों/शुल्कों की अदायगी और खुदरा बिक्री केन्द्रों तक परिवहन अदायगियों के ऊपर निर्भर करते हुए इन उत्पादों की खुदरा बिक्री कीमतें स्थान दर स्थान भिन्न होती हैं और देश भर में इसकी समरूपता व्यवहार्य नहीं है ।